कृषि
I-L

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

वर्ष 2018 24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
फसल उत्पादन	4 2 0	हिन्दी

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

उत्तर पुस्तिका का क्रमांक A- 03

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

-	2	8	1	6	3	2	8	9	0

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में ✗

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 02

ग :– परीक्षा का दिनांक 26 03 2018

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेंडरी परीक्षा

केन्द्र क्रमांक 162001

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
श्रीमती सरिता कौशल	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
	Smt. L. BISEN V.N. 0770924

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
कुल		में

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mm

3 [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 3 के अंक | कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

मध्यप्रदेश

BSE

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 1

(i) अंगूर की
(ii) श्वेत वस्त्र
(iii) बीज या भूसी
(iv) जेट्रोफा करकस
(v) 16

उत्तर ⇒ 2

(i) जूट
(ii) चिनोपोडियम अल्बम
(iii) जापान
(iv) दक्षिणी भारत
(v) मैसूर

4

योग पूर्व पृष्ठ	पृष्ठ 4 के अंक	कुल अंक

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCA

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 3

(i) चिपचिपे ट्रैप ⇒ मिलीबग

(ii) इककेपस ⇒ अनचाहे मशरूम

(iii) विथानिया सोमनिफेरा ⇒ सोलेनेसी

(iv) जेट्रोफा करकस ⇒ यूफोर्बियेसी

(v) ऑप्टिकल स्कवायर ⇒ भू - सर्वेक्षण

B
S
E

उत्तर ⇒ 4

(i) सत्य ।
(ii) सत्य ।
(iii) असत्य
(iv) असत्य ।
(v) सत्य ।

5 योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 5 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 5 (02)

खरपतवार की विशेषताऐ –

(1) बीजोत्पादन संबंधी ⇒ खरपतवार में बीज उत्पादन करने की अद्भुत क्षमता होती है जैसे मकोय प्रजाति के 17800 बीज प्रतिवर्ष पैदा होते है।

(2) बीजों की बनावट ⇒ कुछ खरपतवार के बीज फसलों के बीजों के साथ मिलते-जुलते होते है जैसे बरसीम के बीज कासनी के साथ प्याज के बीज प्याजी के साथ और सरसो में सत्यनाशी के बीज।

(3) विकसित एवं बहुवार्षिक जड़े ⇒ खरपतवार अनउपजाऊ भूमि में भी आसानी से उग जाते है और इनकी जड़े जमीन में अधिक गहराई तक जाकर विकसित होती है।

(4) बीजों की प्रकीर्णन शक्ति ⇒ खरपतवार के बीजो में प्रकीर्णन की अनेक क्रियाऐं होती है खरपतवार के बीजो का प्रकीर्णन पोखो और हुक बाल द्वारा होता है।

(5) बीजो की अंकुरण क्षमता ⇒ खरपतवार के बीजो का बाह्य कवच कठोर होता है। इनके बीज फसलों की अपेक्षा अधिक एवं जल्दी अंकुरित होते है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 6

गन्ने का हानिकारक कीट –
(1) गन्ने का पाइरिल्ला ।
(2) गन्ने का अंगोला बेधक ।
(3) गन्ने का तना बेधक ।
(4) गन्ने का जड़ बेधक ।
(5) दीमक ।

B S E

उत्तर ⇒ 7 (OR)

ब्लान्चिंग ⇒ "फलों को डिब्बाबंदी से पूर्व उनको निर्धारित समय के लिए उबलते पानी में गर्म करना ब्लान्चिंग या उबलते पानी का उपचार कहलाता" ।

ब्लान्चिंग के लाभ ⇒
(1) फलों की गंदगी दूर हो जाती है।
(2) फलों की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।
(3) फल मुलायम हो जाते है।
(4) जीवाणु संख्या कम हो जाती है।
(5) हानिकारक और अनावश्यक एन्जाइम नष्ट हो जाते है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 8 (OR)

सहकारिता के महत्व -

(1) समानता ⇒ सहकारिता में सभी सदस्यों को समानता का अधिकार प्राप्त होता है। किसी भी तरह का दबाव सदस्यों के ऊपर अथवा भेदभाव नही होता है।

(2) ऐच्छिक सदस्यता ⇒ सहकारिता में कोई भी व्यक्ति अपनी इच्छा से सदस्य बना सकता है।

(3) बंधुत्व भाव ⇒ सहकारिता में सभी सदस्य एक-दूसरे का सम्मान एवं भद्र व्यवहार का पालन करते है।

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

उत्तर → ७

नाइट्रोजन की कमी के लक्षण -

(1) नाइट्रोजन की कमी से पौधों की वृद्धि रुक जाती है।

(2) नाइट्रोजन की कमी से पत्तियों का रंग पीला हो जाता है।

(3) नाइट्रोजन की कमी से किल्ले कम निकलते है।

(4) फूल कम आते है और नाइट्रोजन की कमी के कारण पैदावार कम होती है।

(5) फूल और फलियाँ और दानों का आकार छोटा हो जाता है।

(6) नाइट्रोजन की कमी से दाने वाली फसलों या दलहनी फसलों में प्रोटीन की मात्रा कम हो जाती है।

(7) नाइट्रोजन की कमी से प्रकाश संश्लेषण की क्रिया भी प्रभावित होती है।

B
S
E

मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 10 (OR)

हरी खाद ⇒ फसलों को भली भाँति उगाने के पश्चात उनको हरी अवस्था में ही भूमि में जोतकर सड़ाने के फलस्वरूप जो खाद बनती है हरी खाद कहलाती है।

हरी खाद का महत्व ⇒

(1) हरी खाद के प्रयोग से पर्यावरण फसल तथा मृदा पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है।

(2) इसका प्रयोग अन्य रासायनिक उर्वरकों की अपेक्षा सुविधाजनक एवं सस्ता होता है।

(3) हरी खाद से मृदा की जलधारण एवं जलशोषण क्षमता बढ़ती है।

(4) इसका प्रयोग कृषि रसायनों द्वारा उत्पन्न समस्या के निराकरण हेतु किया जाता है।

(5) हरी खाद से मृदा में जीवांश पदार्थ की वृद्धि होती है।

(6) हरी खाद के प्रयोग से भूमि की भौतिक दशा में सुधार होता है।

(7) लाभदायक जीवाणुओं की क्रियाशीलता में वृद्धि होती है।

B S E

(10)

योग पूर्व पृष्ठ	पृष्ठ 10 के अंक	कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 11 (OR)

भारत के तीन शोभाकारी उद्यानों के नाम निम्न हैं।

उद्यान	स्थान
निशांत गार्डन	श्रीनगर
(1) शालीमार गार्डन	श्रीनगर
(2) वृन्दावन गार्डन	मैसूर
(3) रॉक या पिंजोर गार्डन	चंडीगढ़
(4) ताज गार्डन	आगरा
(5) मुगल गार्डन	नई दिल्ली
(6) माधव उद्यान	शिवपुरी
(7) गाँधी उद्यान	ग्वालियर
(8) नेहरू पार्क	इंदौर
(9) कमला पार्क	भोपाल
(10)	

B
S

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर →12 (OR)

अच्छी हरियाली के लिए आदर्श स्थान की विशेषताएं निम्न है।

(1) हरियाली के लिए भूमि का तल आसपास के तल से ऊंचा होना चाहिए ताकि पानी न ठहर सके। क्योंकि पानी एकत्र होने से विभिन्न प्रकार के रोग और कीटों का प्रकोप बढ़ जाता है।

(2) हरियाली के लिए ऐसे स्थान का चयन करना चाहिए जहां छाया कम से कम पड़े अर्थात हरियाली वाले स्थान के समीप ऊँचे मकान ऊँचे छायादार वृक्ष आदि नहीं होने चाहिए।

(3) हरियाली के लिए पूर्णतः खुला स्थान अच्छा रहता है।

(4) हरियाली के लिए भूमि दोमट मृदा को अच्छी माना जाता है।

(5) हरियाली के लिए भूमि अधिक अम्लीय एवं अधिक क्षारीय नहीं होना चाहिए।

(6) हरियाली के लिए ऐसे स्थान का चयन करना चाहिए जहां से वास्तव में सौंदर्य वृद्धि का कार्य कर सके।

B
S
E

12

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 12 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर.→13

सिंचाई	जल निकास
(1) सिंचाई की नालियाँ भूमि की सतह से ऊपर बनाई जाती है।	(1) जलनिकास की नालियाँ भूमि की सतह से नीचे बनायी जाती है।
(2) सिंचाई से भूमि का जलस्तर ऊपर उठता है।	(2) जलनिकास से भूमि का जल स्तर नीचे गिरता है।
(3) इस क्रिया में खेत में पानी दिया जाता है।	(3) इस क्रिया मे खेत से फालतु पानी निकाला जाता है।
(4) सिंचाई नालियों की आवश्यकता वर्षभर होती है।	(4) जलनिकास नालियों की आवश्यकता वर्षा ऋतु मे होती है।
(5) सिंचाई का पानी प्रयोग करने योग्य होता है।	(5) जलनिकास का पानी पीने योग्य नही होता है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 14

नाइट्रोजन युक्त उर्वरकों के नाम एवं उनमें पायी जाने वाली प्रतिशत मात्रा –

उर्वरक	प्रतिशत मात्रा
① पोटेशियम नाइट्रेट	13 % N
② सोडियम नाइट्रेट	16 % N
③ यूरिया	46 % N
④ कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट	26 % N
⑤ साइनाइड	21 % N

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 15 (OR)

मटर

(i) वानस्पतिक नाम एवं कुल - पाइसम सेटाइवम लेग्युमिनेसी

(ii) किस्में ⇒ ① अर्किल ② बोनविले ③ असौजी ④ जवाहर मटर - 1 ⑤ जवाहर मटर - 2 ⑥ जवाहर मटर - 3 ⑦ अलीरिलबर ⑧ अली वेजर आदि।

(iii) बीजदर ⇒ मटर को 60 से 120 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर बीजों की आवश्यकता होती है।

उपज ⇒ मटर की दाने की औसत उपज 30 - ~~30~~ 35 क्विटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है।

(iv) दो रोग ⇒
① मटर का पाउडरी मिल्ड्यू - यह एक कवकजनित रोग होता है। इसके नियंत्रण के लिए बोर्डोमिश्रण का छिड़काव करते है।

② मटर का डाउनी मिल्ड्यू - यह भी एक

15

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 15 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

कवकजनित रोग है।
इसके नियंत्रण के लिए डाइथेन Z-78 और डाइथेन M-45 नामक दवा का छिड़काव करते है।

उत्तर क्रमांक = 16

लैंगिक प्रसारण के गुण - ① पौधों के प्रजनन अंग भाग लेते है।
② लैंगिक प्रसारण में पौधों की परागण एवं निषेचन की दोनो क्रियाएँ होती है।
③ लैंगिक प्रसारण में अधिक दक्ष व्यक्ति की आवश्यकता नही पड़ती है।
④ लैंगिक प्रसारण द्वारा पौधे कम समय में तैयार हो जाते है।
⑤ लैंगिक प्रसारण द्वारा पौधे तैयार करने में परिश्रम और धन कम लगता है।
⑥ इसके परिवहन में सरलता होती है।
⑦ लैंगिक प्रसारण द्वारा अच्छे एवं बड़े फल प्राप्त किए जा सकते है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 17

केला

(i) वानस्पतिक नाम - मूसा पेराडिसिएका
कुल - म्यूसेसी

(ii) वानस्पतिक प्रसारण का प्रकार ⇒ केले का वानस्पति प्रसारण सकर्स के द्वारा किया जाता है।
सकर्स दो प्रकार की होती है।

(1) तलवार सकर ⇒ तलवार सकर द्वारा उत्पन्न पौधे अच्छे एवं स्वस्थ होते है।

(2) जल सकर ⇒ जल सकर द्वारा उत्पन्न पौधे कमजोर होते है। इसलिए जल सकर का प्रयोग पौधे तैयार करने में नहीं किया जाता है।

(iii) प्रमुख किस्मे - (1) हरी छाल (2) पूवन (3) सफेद वेलची (4) रसथाली।

सब्जी की किस्में - (1) हजारा (2) मुथिया (3) बत्तीसा (4) रायकेला (5) मोस।

(iv) उपज / हेक्टेयर ⇒ केले की औसतन उपज 150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 18

सोयाबीन

(i) वानस्पतिक नाम – ग्लाईसीन मैक्स।
कुल – लेग्यूमिनेसी

(ii) उन्नत किस्में ⇒
उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र – ब्रैग, शिलाजीत, पन्त सोया - 564 आदि

उत्तरी मैदानी क्षेत्र ⇒ अंकुर, ब्रैग, शिलाजीत, पीके 416, पीके 472, पीके 327, आदि।

उत्तरी मध्य क्षेत्र ⇒ अंकुर, ब्रैग, गौरव, दुर्गा आदि

दक्षिणी क्षेत्र ⇒ M.A.C.S 13, पैलीकोन आदि।

नई विकसित किस्में – (1) NRC-2, (2) NRC-7 (3) NRC-12, (4) प्रभावी सोना (5) इन्दिरा सोया (6) पन्त सोया (7) PK 1029

(iii) उर्वरक (एन.पी.के मात्रा / हेक्टेयर) ⇒
सोयाबीन एक दलहनी फसल है इसलिए सोयाबीन को नाइट्रोजन की अधिक आवश्यकता नहीं पड़ती है फिर भी प्रारंभिक पदार्थ के रूप में निम्न मात्रा दी जाती है

18

योग पूर्व पृष्ठ	+	पृष्ठ 18 के अंक	=	कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

नाइट्रोजन 20 से 30 किग्रा / हेक्टेयर और
फॉस्फोरस 60 से 80 किग्रा / हेक्टेयर और
पोटाश 40 से 60 किग्रा / हेक्टेयर देना
चाहिए।

(iv) ~~उपज~~ बीजदर / हेक्टेयर ⇒ सोयाबीन की खरीफ हेतु की फसल के लिए 75 से 80 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर और बसन्तकालीन सोयाबीन के लिए 100 से 120 किग्रा / बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है।

(v) उपज / हेक्टेयर ⇒ सोयाबीन की औसत उपज 30 से 35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है।

B
S
F

19

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 19 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर ⇒ 19

आम

(i) वानस्पतिक नाम — मैन्जीफेरा इंडिका
कुल — ऐनाकार्डिएसी

(ii) दो किस्में ⇒
शीघ्र पकने वाली जातियाँ — ① मुम्बई हरा, ② मुम्बई पीला ③ गोपालभोग ④ अल्फांसो ⑤ जरदालू ⑥ सिंगापुरी

मध्य में पकने वाली जातियाँ ⇒ ① दशहरी ② सफेदा ③ लंगड़ा

देर से पकने वाली जातियाँ ⇒ ① कंचन ② नाशपाती ③ रोमानी

(iii) प्रसारण का प्रकार ⇒
आम का प्रसारण लैंगिक एवं अलैंगिक दोनों प्रकार का होता है।

लैंगिक प्रसारण ⇒ लैंगिक प्रसारण द्वारा उत्पन्न पौधे कमजोर होते हैं और इन पर बीमारियों का प्रकोप जल्दी हो जाता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

अलैंगिक प्रसारण ⇒ अलैंगिक प्रसारण करने से आम के पौधे स्वस्थ तैयार होते है तथा फल अधिक एवं बड़े प्राप्त होते है। आम में अलैंगिक प्रसारण लाभदायक रहता है।

(iv) दो कीट ⇒
(1) आम का मिलीबग -
(2) आम का मैंगो होपर
(3) आम का स्टोन वीविल

(v) उपज / हेक्टेयर ⇒ आम की औसत उपज से 100 125 क्विंटल / हेक्टेयर प्राप्त होती है।

B S E

(21) [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ　　पृष्ठ 21 क अंक　　कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर → 20

जैम	जैली
(1) इसको तैयार करने के लिए गूदेदार फलों की आवश्यकता होती है।	(1) जैली तैयार करने के लिए रसदार फलों और पेक्टिन की आवश्यकता होती है।
(2) पेक्टिन महत्वपूर्ण नही होता है।	(2) पेक्टिन महत्वपूर्ण होता है।
(3) यह अपारदर्शी होता है।	(3) यह पारदर्शी होती है।
(4) चीनी फलों की खटास के अनुसार मिलायी जाती है।	(4) इसमें चीनी पेक्टिन की मात्रा के अनुसार मिलायी जाती है।
(5) जैम में कुल विलेय ठोस 68 % होता है।	(5) जैली में कुल विलेय ठोस 65 % होता है।
(6) जैम के लिए अनुकूलतम तापमान 221.5°F होता है।	(6) जैली के लिए अनुकूलतम तापमान 221°F होता है।
(7) यह गर्म या ठण्डी किसी भी अवस्था में भरा जा सकता है।	(7) यह हमेशा गर्म ही भरी जाती है।
(8) जैम का विक्स प्रतिशत अधिक होता है।	(8) जैली का विक्स प्रतिशत कम होता है।